



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 280]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 6, 2008/शावाण 15, 1930

No. 280]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 6, 2008/SRAVANA 15, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग भवालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार अहमिदाबाद)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2008

सं. 61 (आर.ई.-2008)/2004—2009

फा. सं. विविध 55/ए एम06/डीबीके.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

(i) 11 अप्रैल, 2008 को अद्यतन प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1), 2004-09 के पैराग्राफ 8.5 के नीचे एक नया उप पैराग्राफ 8.5.1 जोड़ कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

"शुल्क वापसी और अंतिम उत्पाद शुल्क वापसी हेतु 06.08.2008 को अथवा उसके बाद प्रस्तुत आवेदन के लिए 30 दिन की अवधि का ओकलन प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1), 2004-09 (11.4.2008 को अद्यतन) के पैराग्राफ 9.10.1 में यथा उल्लिखित अनुसार पूर्ण आवेदन की प्राप्ति की तिथि से किया जाएगा तथा पूर्ण आवेदन की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर यदि मामले का निपटान नहीं हुआ तो ब्याज देय होगा। इन मामलों में, ब्याज का दावा करने के लिए अलग आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी और दावा करने वाले को मुख्य दावा और ब्याज के लिए एकल चेक जारी किया जा सकता है। तथापि, क्षेत्रीय प्राधिकारियों द्वारा आवंटित ब्याज की रकम के लिए अलग लेखा रखा जाएगा।"

(ii) 11 अप्रैल, 2008 को अद्यतन प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) 2004-2009 के पैराग्राफ 9.10.1 के पहले उप-पैरा के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाएगा :-

"मान्य निर्यात स्कीम के तहत शुल्क वापसी और अंतिम उत्पाद शुल्क की वापसी

हेतु आवेदन काउन्टर पर प्राप्त किया जाएगा और उसकी जाँच की जाएगी तथा कमी, यदि कोई हो, तो काउन्टर पर ही बता दी जाएगी और ऐसा आवेदन वापस कर दिया जाएगा। आवेदक को इस कमी को दूर करना होगा और पूर्ण आवेदन ही स्वीकार किया जाएगा”।

(iii) प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1, 2004-2009 (11 अप्रैल, 2008 तक अद्यतन) के पैराग्राफ 9.11 के नीचे निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :-

क्रम सं०	आवेदन की श्रेणी	निपटान के लिए समय सीमा
ड)	मान्य निर्यात के तहत डी बी के/टी ई डी की वापसी	भरे हुए आवेदन की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों तक

(iv) प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) (परिशिष्ट और आयात-निर्यात प्रपत्र) 2004-2009 के परिशिष्ट 14-I-ज्ञ के पैराग्राफ 2(ग) के नीचे एक नया उप पैरा (घ) जोड़कर निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :-

“06.08.2008 को अथवा उसके बाद प्रस्तुत सीएसटी के आवेदनों के लिए उपरोक्त (ग) में यथा उल्लिखित 30 दिनों की अवधि को प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 9.10.1 में यथाउल्लिखित अनुसार पूर्ण आवेदन की प्राप्ति की तारीख से गिना जाएगा और ब्याज का भुगतान तभी देय होगा जब मामला पूर्ण आवेदन की प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर निपटाया नहीं जाता। इन मामलों में, ब्याज के दावे हेतु अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है और दावा करने वाले को मुख्य दावा तथा ब्याज के लिए एक ही चेक जारी किया जा सकता है। तथापि, विशेष आर्थिक जोन के विकास आयुक्त को उनके द्वारा वितरित की गई ब्याज की राशि का अलग से लेखा रखना होगा।”

2. इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं
पदन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 6th August, 2008

No. 61 (RE-2008)/2004—2009

F. No. Misc. 55/AM-06/DBK.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy 2004—09, the Director General of Foreign Trade makes the following amendments :

(i) A new sub paragraph 8.5.1 shall be added below paragraph 8.5 of the Handbook of Procedure (Vol. I), 2004-09 updated on 11th April, 2008 to read as under:

“For application of Duty Drawback and Terminal Excise Duty refunds submitted on or after 06.08.2008, the period of 30 days will be counted from the date of receipt of complete application as provided in paragraph 9.10.1 of Handbook of Procedure Vol. I 2004-09 (updated as on 11.04.2008) and interest will be payable if the case is not settled within 30 days of receipt of complete application. In these cases, separate application for claiming interest is not required and a single cheque for main claim and interest can be issued to the claimant. However, separate account will be maintained by Regional Authorities for the amount of interest disbursed by them.”

(ii) After first sub-para of Paragraph 9.10.1 of the Handbook of Procedure (Vol. I), 2004-09 updated on 11th April, 2008, following sub - para shall be added:

“The application for refund of Duty Drawback and Terminal Excise Duty under deemed export scheme would be received at the counter, scrutinized and deficiency, if any, would be pointed out at the counter itself and such application would be returned. Applicant will have to rectify this deficiency and a complete application would be accepted.”

(iii) The following shall be added below paragraph 9.11 of the Handbook of Procedure Vol. I 2004-09 (updated as on 11th April, 2008):

S. No.	Category of Application	Time Limit For Disposal
m)	Refund of DBK/ TED under deemed export	30 days from the date of receipt of complete application.

(iv) A new sub para (d) shall be added below paragraph 2 (c) of Appendix 14-I-J of HandBook of Procedure (vol.I) (Appendices & Aayat Niryat Forms) 2004-2009 updated as on 11th April,2004-2009 to read as under:

"For applications of CST submitted on or after 06.08.2008, the period of 30 days, as mentioned in (c) above, will be reckoned from the date of receipt of complete application as provided in para 9.10.1 of HBP and interest will be payable if the case is not settled within 30 days of receipt of complete application. In these cases, separate application for claiming interest is not required and a single cheque for main claim and interest can be issued to the claimant. However, separate account will be maintained by Development Commissioner of Special Economic Zones for the amount of interest disbursed by them."

2. This issues in public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
and ex-Officio Addl. Secy.